दिनांक 07.10.2017

स्वच्छ भारत अभियान **स्वच्छ एवं सुदर भिलाई**

अपराध मुक्त शहर बनाने के लिए प्रमुख जगहों पर लगेगा सी.सी.टी.व्ही. कैमरा

भिलाईनगर/ दुर्ग जिले के प्रमुख चयनित 79 जगहों पर सी.सी.टी.व्ही. कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जायेगी, जो विश्व की प्रमुख सुरक्षित शहरों के अनुकुल होगा, इसी पर कार्यशाला का आयोजन डीपीएस जुनवानी वार्ड नं. 01 में 12 बजे से आयोजित की गई थी जिसमें दुर्ग के महापौर, अध्यक्ष, सभापति, पार्षद, एल्डरमेन, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, निगम प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयुक्त के0एल0 चौहान ने बताया कि दुर्ग जिले के सभी शहरी क्षेत्रों को सी.सी.टी.व्ही. कैमरे के निगरानी में रखा जायेगा जिससे कहीं पर भी कोई अपराध होने पर पुलिस आसानी से पहुंच सकती हैं। जिलाधीश उमेश अग्रवाल ने कहा कि हम दुर्ग जिले को एक व्यवस्थित अपराध मुक्त जिला बनाने के लिए प्रयासरत् हैं जिसमें सबके सहयोग की आवश्यकता है, इस योजना को लागु करने में लगभग 17 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा, जिसे हम राज्य सरकार, जिला प्रशासन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के निधि से पुरा कर सकतें हैं । हमारा सपना है कि अपने शहर को अग्रणी शहरों की श्रेणी में लाना।

कैमरे के स्वरुप के बारे में बताते हुए जिले के एसपी अमरेश मिश्रा का कहना था कि हम एडवांस टेक्नोलॉजी से युक्त कैमरा लगवायेंगे, इसका अलग से नेटवर्क होगा जो विश्वस्तरीय होगा कहीं पर भी कोई घटना होगी वह कैमरे के माध्यम से तुरंत पता चल जायेगा कुछ ही मिनटों में पुलिस स्वतः पहुंच जायेगी, इसका मुख्यालय सिटी कोतवाली में होगा। शासन द्वारा हमें 100 नम्बर की गाड़ी भी प्राप्त हो रही हैं जो 24 घण्टे पेट्रोलिंग करती रहेगी। अपराध मुक्त शहर बनाने के लिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से उनके निधि के अंश को देने की मांग की।

दुर्ग महापौर श्रीमती चन्द्रिका चन्द्राकर इस प्रयास की सराहना करते हुए अपने निधि से 25 लाख रुपये देने की बात की, भिलाई 03 चरोदा के महापौर श्रीमती चन्द्रकला माण्डले ने 10 लाख रुपये, जामुल पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरोजनी चन्द्राकर 05 लाख रुपये के साथ नगर निगम भिलाई, के अध्यक्ष पी0 श्यामसुन्दर राव, दुर्ग राजकुमार नारायणी, भिलाई 03 चरोदा के विजय जैन एवं पार्षदगणों ने अपने–अपने पार्षद निधि की राशि 4–4 लाख रुपये देने के लिए कहा, साथ ही पार्षदों ने अपने वार्डों के प्रमुख स्थलों को भी शामिल करने को कहा। सुझाव के तौर पर पार्षदगणों से यह भी मांग उठी की शहर के मुख्य चौक चौराहों पर से होर्डिंग्स हटाया जाये जो दुर्घटना का कारण बनता है।

कार्यशाला के दौरान दुर्ग नगर निगम आयुक्त, ए0के0 सुन्दरानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक सतीश ठाकुर, भिलाई नगर पुलिस अधीक्षक विरेन्द्र सतपति, छावनी नगर पुलिय अधीक्षक अजीत कुमार यादव, एवं दुर्ग नगर पुलिस अधीक्षक के साथ जामुल, कुम्हारी, के सी0एम0ओ0 एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहें।

जन सम्पर्क अधिकारी
नगर पालिक निगम , भिलाई